बिहार के पहले खेल विश्वविद्यालय को UGC से मान्यता प्राप्त हुई

चर्चा में क्यों?

[विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (UGC)](#) ने [बिहार के पहले खेल विश्वविद्यालय](#) को मान्यता प्रदान की है, जिसका उद्घाटन राज्य के मुख्यमंत्री द्वारा वर्ष 2024 के [राष्ट्रीय खेल दिवस](#) पर नालंदा जिले के राजगीर में किया गया।

- **मुख्य बिंदु**
  - **UGC मान्यता:**
  - बिहार खेल विश्वविद्यालय, राजगीर को **UGC अधिनियम, 1956 की धारा 2(f) के तहत UGC से मान्यता प्राप्त हुई है।**
  - यह मान्यता **विश्वविद्यालय को** शारीरिक शिक्षा और खेल विज्ञान में स्नातक और डिप्लोमा/पी.जी. डिप्लोमा कार्यक्रमों सहित शैक्षणिक पाठ्यक्रम प्रदान करने का अधिकार प्रदान करती है।
- **शैक्षणिक कार्यक्रम और भविष्य की योजनाएँ:**
  - विश्वविद्यालय वर्ष 2025-2026 शैक्षणिक सत्र से विभिन्न शैक्षणिक कार्यक्रम शुरू करने की योजना बना रहा है।
  - इन कार्यक्रमों में शामिल होंगे:
    - खेल प्रशिक्षण में डिप्लोमा/पी.जी. डिप्लोमा (दो या तीन खेलों को कवर करना)।
    - योग में डिप्लोमा/पी.जी. डिप्लोमा।
    - चार वर्षीय शारीरिक शिक्षा स्नातक (राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद से मान्यता लंबित)।
- **खेल परिसर और अतिरिक्त विकास:**
  - बिहार खेल विश्वविद्यालय और राज्य की पहली खेल अकादमी [राजगीर स्थित अंतर्राष्ट्रीय खेल परिसर](#) का हिस्सा हैं।
  - इस परिसर ने नवंबर 2024 में [महिला एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी](#) की भी मेज़बानी की।
- **शिकायत निवारण तंत्र:**
  - UGC के दिशा-निर्देशों के अनुसार, [UGC (छात्र शिकायत निवारण विनियमन, 2023)](#) के अनुसार, विश्वविद्यालय द्वारा शैक्षणिक गतिविधियाँ शुरू करने के दो महीने के भीतर, छात्र शिकायतों के समाधान के लिये एक **लोकपाल की नियुक्ति अनिवार्य है।**

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग

- **विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (UGC) 28 दिसंबर, 1953** को अस्तित्व में आया और **विश्वविद्यालय शिक्षा में शिक्षण, परीक्षा और अनुसंधान के मानकों के समन्वय, निर्धारण और रखरखाव** के लिये 1956 में संसद के एक अधिनियम द्वारा भारत सरकार का एक वैधानिक संगठन बन गया।
- यह **शिक्षा मंत्रालय के अधीन कार्य करता है, केंद्र सरकार** UGC में एक अध्यक्ष, एक उपाध्यक्ष और दस अन्य सदस्यों की नियुक्ति करती है।
- यह **नई दिल्ली के** साथ-साथ अपने **छह क्षेत्रीय कार्यालयों से कार्य करता है जो बेंगलुरु, भोपाल, गुवाहाटी, हैदराबाद, कोलकाता और पुणे में स्थित हैं।**
- यह फर्जी विश्वविद्यालयों, **स्वायत्त कॉलेजों,** डीम्ड विश्वविद्यालयों और दूरस्थ शिक्षा संस्थानों **की मान्यता को भी नियंत्रित करता है।**

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/bihars-first-sports-university-gets-ugc-recognition